

MGPE 011

HUMAN SECURITY (PART-5)

EXPECTED QUESTIONS FOR EXAM

Answers in Hindi & English both

Crucial Areas of Threat Identified by UNDP for Global Warming

****1. Rising Sea Levels:** Global warming causes the polar ice caps and glaciers to melt, leading to a rise in sea levels. This poses a threat to coastal communities, causing flooding, erosion, and loss of habitat for plants, animals, and even humans.

समुद्र का बढ़ता स्तर: ग्लोबल वार्मिंग ध्रुवीय बर्फ की चादरों और ग्लेशियरों के पिघलने का कारण बनती है, जिससे समुद्र का स्तर बढ़ता है। इससे तटीय समुदायों को बाढ़, कटाव और पौधों, जानवरों और यहां तक कि मनुष्यों के आवास के नुकसान का खतरा होता है।

****2. Extreme Weather Events:** Increased global temperatures lead to more frequent and severe weather events such as hurricanes, heatwaves, droughts, and heavy rainfall. These events can cause significant damage to infrastructure, agriculture, and human lives.

अत्यधिक मौसम की घटनाएं: बढ़ते वैश्विक तापमान से अधिक बार और गंभीर मौसम की घटनाएं होती हैं, जैसे कि तूफान, गर्मी की लहरें, सूखा और भारी बारिश। ये घटनाएं बुनियादी ढांचे, कृषि और मानव जीवन को महत्वपूर्ण क्षति पहुंचा सकती हैं।

****3. Food Security:** Global warming affects crop yields due to changes in temperature, precipitation patterns, and increased

frequency of extreme weather events. This threatens food security, especially in regions dependent on agriculture.

खाद्य सुरक्षा: तापमान, वर्षा पैटर्न में बदलाव और अत्यधिक मौसम की घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति के कारण ग्लोबल वार्मिंग फसल उत्पादन को प्रभावित करती है। यह खाद्य सुरक्षा को खतरे में डालता है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जो कृषि पर निर्भर हैं।

****4. Water Resources:** Climate change affects the availability and distribution of freshwater resources. Melting glaciers, changing precipitation patterns, and more intense droughts can lead to water scarcity, affecting drinking water supplies and agriculture.

जल संसाधन: जलवायु परिवर्तन ताजे पानी के संसाधनों की उपलब्धता और वितरण को प्रभावित करता है। पिघलते ग्लेशियर, वर्षा पैटर्न में बदलाव और अधिक तीव्र सूखे पानी की कमी का कारण बन सकते हैं, जो पेयजल आपूर्ति और कृषि को प्रभावित करते हैं।

****5. Human Health:** Global warming can exacerbate health problems, including heat-related illnesses, respiratory issues due to poor air quality, and the spread of vector-borne diseases such as malaria and dengue fever.

मानव स्वास्थ्य: ग्लोबल वार्मिंग स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकती है, जिसमें गर्मी से संबंधित बीमारियां, खराब वायु गुणवत्ता के कारण श्वसन समस्याएं और मलेरिया और डेंगू जैसी वेक्टर जनित बीमारियों का प्रसार शामिल है।

****6. Ecosystems and Biodiversity:** Climate change poses a significant threat to ecosystems and biodiversity. Changes in temperature and precipitation patterns can alter habitats, leading to species migration, adaptation challenges, and even extinction.

पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता: जलवायु परिवर्तन पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। तापमान और वर्षा पैटर्न में बदलाव आवासों को बदल सकते हैं, जिससे प्रजातियों के प्रवासन, अनुकूलन चुनौतियों और यहां तक कि विलुप्त होने का खतरा होता है।

What is Terrorism?

Terrorism is the unlawful use of violence and intimidation, especially against civilians, in the pursuit of political aims. It is a tactic employed by various groups to instill fear, coerce governments, or achieve ideological, religious, or political objectives.

आतंकवाद क्या है? आतंकवाद हिंसा और धमकी का अवैध उपयोग है, विशेष रूप से नागरिकों के खिलाफ, राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए। यह विभिन्न समूहों द्वारा डर पैदा करने, सरकारों को मजबूर करने या वैचारिक, धार्मिक या राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपनाई गई एक रणनीति है।

Main Reasons for Terrorism

1. Political Grievances

Many terrorist groups emerge due to perceived or actual political oppression and lack of representation. When political avenues for addressing grievances are closed or ineffective, groups may resort to terrorism as a means to demand change or autonomy.

राजनीतिक शिकायतें: कई आतंकवादी समूह वास्तविक या कथित राजनीतिक उत्पीड़न और प्रतिनिधित्व की कमी के कारण उभरते हैं। जब शिकायतों को दूर करने के राजनीतिक रास्ते बंद या अप्रभावी होते हैं, तो समूह परिवर्तन या स्वायत्तता की मांग करने के लिए आतंकवाद का सहारा ले सकते हैं।

2. Ideological and Religious Extremism

Ideological and religious beliefs can drive individuals or groups to commit acts of terrorism. Extremist ideologies, including religious

fundamentalism, often promote a worldview that justifies violence against those perceived as enemies or non-believers.

वैचारिक और धार्मिक चरमपंथ: वैचारिक और धार्मिक विश्वास व्यक्तियों या समूहों को आतंकवादी कृत्य करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। चरमपंथी विचारधाराएं, जिसमें धार्मिक कट्टरवाद शामिल है, अक्सर एक ऐसी विश्वदृष्टि को बढ़ावा देती हैं जो दुश्मनों या अविश्वासियों के खिलाफ हिंसा को उचित ठहराती है।

3. Socio-Economic Factors

Poverty, lack of education, unemployment, and social injustice can contribute to the emergence of terrorism. Socio-economic deprivation can make individuals more susceptible to radicalization as they seek ways to improve their circumstances or express their frustrations.

सामाजिक-आर्थिक कारक: गरीबी, शिक्षा की कमी, बेरोजगारी और सामाजिक अन्याय आतंकवाद के उदय में योगदान कर सकते हैं। सामाजिक-आर्थिक अभाव व्यक्तियों को कट्टरपंथी बनने के लिए अधिक संवेदनशील बना सकता है क्योंकि वे अपने हालात सुधारने या अपनी निराशाओं को व्यक्त करने के तरीकों की तलाश करते हैं।

Significance of Gandhian Approach to Peace and International Trade

Gandhian Approach to Peace

****1. Non-Violence (Ahimsa):** Mahatma Gandhi's principle of non-violence is central to his approach to peace. Non-violence is not just the absence of physical violence but also includes the absence of psychological and structural violence. It promotes the resolution of conflicts through peaceful means.

अहिंसा: महात्मा गांधी के शांति दृष्टिकोण का केंद्र बिंदु अहिंसा है। अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक और संरचनात्मक हिंसा की अनुपस्थिति भी शामिल है। यह शांतिपूर्ण तरीकों से संघर्षों के समाधान को बढ़ावा देता है।

****2. Truth (Satya):** Gandhi believed in the power of truth as a moral force. By adhering to truth, individuals and nations can build trust, reduce misunderstandings, and create a foundation for lasting peace.

सत्य: गांधी सत्य की शक्ति को एक नैतिक बल के रूप में मानते थे। सत्य का पालन करके, व्यक्ति और राष्ट्र विश्वास बना सकते हैं, गलतफहमियों को कम कर सकते हैं और स्थायी शांति के लिए एक नींव बना सकते हैं।

****3. Satyagraha:** Satyagraha, or "truth force," involves non-violent resistance to injustice. Gandhi used this method to challenge colonial rule and social injustices. It emphasizes patience, persistence, and faith in the power of non-violence to bring about change.

सत्याग्रह: सत्याग्रह, या "सत्य बल," अन्याय के खिलाफ अहिंसक प्रतिरोध शामिल है। गांधी ने उपनिवेशवाद और सामाजिक अन्याय को चुनौती देने के लिए इस पद्धति का इस्तेमाल किया। यह धैर्य, दृढ़ता और परिवर्तन लाने के लिए अहिंसा की शक्ति में विश्वास पर जोर देता है।

Gandhian Approach to International Trade

****1. Fair Trade Practices:** Gandhi advocated for trade practices that are fair and just, ensuring that all parties benefit equitably. This includes fair wages for workers, ethical sourcing of materials, and equitable distribution of profits.

न्यायपूर्ण व्यापार प्रथाएं: गांधी ऐसे व्यापार प्रथाओं की वकालत करते थे जो न्यायपूर्ण और उचित हों, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी पक्ष समान रूप से लाभान्वित हों। इसमें श्रमिकों के लिए उचित मजदूरी, सामग्री की नैतिक सोर्सिंग और मुनाफे का समान वितरण शामिल है।

****2. Swadeshi (Self-Sufficiency):** Gandhi's principle of swadeshi promotes self-sufficiency and local production. In the context of international trade, it encourages nations to produce goods domestically and reduce dependency on imports, fostering local economies and reducing exploitation.

स्वदेशी: गांधी का स्वदेशी सिद्धांत आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में, यह राष्ट्रों को घरेलू रूप से सामान का उत्पादन करने और आयात पर निर्भरता कम करने, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने और शोषण को कम करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

****3. Sustainable Development:** Gandhi's emphasis on simple living and environmental sustainability is relevant to international trade. It encourages practices that do not harm the environment, promote the use of renewable resources, and ensure long-term ecological balance.

सतत विकास: सरल जीवन और पर्यावरणीय स्थिरता पर गांधी का जोर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए प्रासंगिक है। यह ऐसी प्रथाओं को प्रोत्साहित करता है जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचातीं, नवीकरणीय संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देती हैं और दीर्घकालिक पारिस्थितिक संतुलन सुनिश्चित करती हैं।

**If you liked the video
subscribe my channel**